सांध्य दैनिक
4PM
मूल्य ₹ 3/-
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 11 ● अंकः 138 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार 23 जून, 2025

यदि आप किसी व्यक्ति से उसकी भाषा में बात करें जो वो समझता है, तो बात उसके सिर में जाती है, यदि आप उससे उसकी भाषा में बात करते हैं, तो बात उसके दिल तक जाती है।
-नेल्सन मंडेला

इंग्लैंड दौरा : जसप्रीत बुमराह ने रचा... 7 | आप व भाजपा में फिर सियासी... 3 | भाजपा पुलिस का राजनीतिक... 2

सोनिया गांधी के लेख से देश की राजनीति में भूचाल

इजरायल ने जताई नाराजगी, पीएम मोदी ने ईरानी प्रेसीडेंट से की फोन पर बात

- ट्रंप के साथ लंच के 24 घंटे के भीतर पलटा पाकिस्तान चीन-रूस के साथ होने की कही बात
- भारत के चावल निर्यातक चिंतित, पेंमेंट फंसने और बंदरगाहों पर माल खराब होने की संभावना
- तेल की कीमतों में इजाफे के संकेत, शेयर बाजारों में गिरावट
- राजनीति-कूटनीति के बाद खेमेबंदी और टीम बनाने का दौर
- लंबी लड़ाई खींचने के मूड में ईरान, पूरी दुनिया खामियाजा भुगतने के लिए रहे तैयार
- इस बार फ्रांस भी अमेरिका के साथ नहीं खड़ा दिखाई दे रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईरान-इजरायल युद्ध अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। तेजी से दो भागों में विभाजित होती दुनिया के बीच भारत में भी इस जंग का असर दिखाई दे रहा है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के लेख ने राजनीतिक तहलका मचा दिया है और देश की राजनीति में तेजी से ध्रुवीकरण हो रहा है।

इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने सोनिया गांधी के ईरान के समर्थन में लिखे गए लेख पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है, और इस विषय पर संभल कर लिखने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि ऐसे नेताओं को क्षेत्रीय हालात की सही जानकारी होनी चाहिए। पीएम मोदी ने ईरान के प्रेसीडेंट से फोन पर बात कर कूटनीतिक हल निकालने की बात कही है। वहीं भारत तेल की धार को लेकर सर्तक है। एक बार फिर पेट्रोलियम मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी ने तेल के पर्याप्त भंडार की बात कही है।

इजरायल ने दी चेतावनी

भारत में इजरायली राजदूत अजार ने कहा है कि हमें यह देखकर निराशा हुई कि सोनिया गांधी ने 7 अक्टूबर, 2023 के हमलों की उस तरह निंदा नहीं की जैसी की जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि ईरान द्वारा पिछले तीन दशकों से की जा रही आक्रामकता को नजरअंदाज करना पूरी तरह अस्वीकार्य है। जार ने कहा कि विचारों की स्वतंत्रता सभी को है लेकिन नेताओं को तथ्यों और वास्तविकता के आधार पर बयान देना चाहिए। इजरायली राजदूत के मुताबिक इजरायल और अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को निशाना बनाने के लिए थी जो क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा बनते जा रहे थे। उन्होंने पीएम मोदी द्वारा ईरान के राष्ट्रपति से बातचीत कर तनाव कम करने और कूटनीति के रास्ते समाधान की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर ईरान अन्य देशों को समाप्त करने की कोशिश छोड़ दे और अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम खत्म कर दे। क्षेत्रीय आक्रामकता से पीछे हटे तो कूटनीति के लिए अवश्य विकल्प है। हम चाहते हैं कि ईरान जिम्मेदार रुख अपनाए जिससे शांति और स्थिरता की बहाली हो सके।

पाकिस्तान ने मारी पलटी

ईरानी परमाणू ठिकानों पर अमेरिकन हमलों के बाद कच्चा तेल नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुका है। शेयर बाजारों में मातम का महौल है और विश्व में उथल–पुथल मची है। हजारों इजरायली जलमार्ग के जरिये इजरायल छोड़ रहे हैं शायद यह इजरायल की सोची समझी रणनीति है। रूस खुलकर ईरान के पक्ष में खड़ा है तो फ्रांस भी युद्ध के विस्तार से चिंतित है और इसे रोकना चाहता है। ताजा डेवलपमेंट पाकिस्तान की तरफ से है जो प्रेसीडेंट ट्रंप के लंच के 24 घंटों के भीतर पलटी मारता हुआ दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान ने डोनाल्ड ट्रंप को झटका देते हुए ईरान मुद्दे पर चीन-रूस के साथ एकजुटता दिखाई है।

जंग का असर चावल व्यापार पर भी

जंग का असर भारत के बासमती चावल व्यापार पर पड़ने लगा है। भारत के चावल निर्यातकों ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो भुगतान संकट उत्पन्न हो सकता है और चावलों की कीमतों में भारी गिरावट आ सकती है। अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ ने बताया है कि ईरान को भेजा जाने वाला एक लाख टन से अधिक बासमती चावल अभी भारतीय बंदरगाहों पर फंसा हुआ है। संघ के मुताबिक ईरान हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण बाजार है। भारत के कुल चावल निर्यात का लगभग 18 से 20 प्रतिशत ईरान जाता है। हर साल हम उन्हें लगभग 10 लाख टन बासमती चावल निर्यात करते हैं।

अमेरिकन हमलों से फ्रांस भी नाराज

ईरान में तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हवाई हमलों के बाद फ्रांस ने गहरी चिंता व्यक्त की है। फ्रांस ने एक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि इन हमलों में न तो वह शामिल था और न ही इसकी कोई योजना का हिस्सा रहा। फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका, ईरान और इजरायल से संयम बरतने की अपील करते हुए कहा कि मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव को फैलने से रोकना अत्यंत आवश्यक है। बयान में कहा गया है कि ईरान-इजरायल संघर्ष को देखते हुए फ्रांस की प्राथमिकता अपने नागरिकों, अधिकारियों और मध्य पूर्व में मौजूद फ्रांसीसी साझेदारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

रूस-चीन ने बनाया युनाईटेड फ्रंट

ईरान युद्ध में इजरायल को बहुत बड़ा झटका लगा है। ईरान की हिफाजत के लिए रूस और चीन ने यूनाइटेड फ्रंट बनाने की घोषणा की है। दोनों नेताओं की ओर से बताया गया है कि चीन और रूस ने डोनाल्ड ट्रंप को सख्त संदेश भेजा है और कहा है कि कि इजरायल की जिस लड़ाई में अमेरिका एंट्री करने की कोशिश कर रहा है वह न करे इससे विश्व को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई टेलीफोन पर बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने इजरायल की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया है।

अमेरिकी बमबारी की निंदा करें पीएम मोदी : जयराम रमेश

इस पूरे मामले पर पीएम मोदी की शांति को लेकर कांग्रेस सवाल उठा रही है। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि मोदी सरकार ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले तथा इजराइली आक्रामकता की आलोचना या निंदा नहीं की है और वह गाजा में नरसंहार पर भी चुप है। मुख्य विपक्षी दल के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अब सरकार को पहले की तुलना में अधिक नैतिक साहस का परिचय देना चाहिए। उनका यह भी कहना है कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत होनी चाहिए। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ईरान पर अमेरिकी वायुसेना की ताकत का इस्तेमाल करने का राष्ट्रपति ट्रंप का निर्णय ईरान के साथ बातचीत जारी रखने के उनके अपने आह्वान का मज़ाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, ईरान के साथ तत्काल कूटनीति और बातचीत की अनिवार्यता को दोहराती है।

भाजपा पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही

सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले- भाजपा सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने मोदी व योगी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं है। सरकार पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है। जब सरकार विपक्षी दलों के नेताओं पर झूठे मुकदमे कराएगी, फर्जी तरीके से फंसाएगी। फर्जी वोट डलवाएगी, चुनाव जीतने के लिए गलत तरीके प्रयोग करेगी तो पुलिस सही काम नहीं करेगी। यही वजह है कि महिलाएं भाजपा से दूरियां बना रही है।

अखिलेश ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर महिला सुरक्षा के लिए बनाई गई 1090 सेवा को और मजबूत किया जाएगा। स्त्री समृद्धि सम्मान योजना लागू की जाएगी और समाजवादी पेंशन योजना की तरह महिलाओं को तीन हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाएगी। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय और प्रदेशीय संगठन के पदाधिकारियों की बैठक के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के दबाव में कार्य कर रहा है।

अगर कुंदरकी के उपचुनाव के डाटा की जांच हो जाएगा तो पता चल जाएगा, वोट डालने वाले पुलिस के लोग निकलेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार जेपी एनआईसी को पीपीपी मोड पर देना चाहती थी, समाजवादियों के विरोध के कारण सरकार घबरा गई। हमारी मांग है कि सरकार अगर जेपी एनआईसी बेचना चाहती है, समाजवादी पार्टी उसे लेने के लिए तैयार है। इसके लिए हम एलडीए को पत्र भी भिजवाएंगे। अगर कुछ अंदर टेबल देना होगा, तो वो भी कर देंगे।

भाजपा के लोग पूरे प्रदेश में सरकारी और गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर रहे

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग पूरे प्रदेश में सरकारी और गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर रहे है। सरकार ने अयोध्या में किसानों को बाजार भाव से मुआवजा नहीं दिया। इसलिए भाजपा अयोध्या में चुनाव हार गई। इस सरकार ने वाराणसी में तमाम मंदिरों को तो? दिया। वृंदावन में भी वहीं करने जा रहे है। भाजपा सरकार विरासत को नुकसान पहुंचा रही है। बिजली मंत्री इसलिए बनाया है कि सरकार को बिजली विभाग को निजी हाथों में बेचना है। हरदोई मेडिकल कॉलेज को बिजली विभाग बिजली नहीं दे रहा है। वहां मरीज हाथ का पंखा चलाकर योग कर रहे हैं।

ईरान के साथ खड़ा न होना विदेश नीति के साथ धोखा

ईरान मसले से संबंधित एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि विदेश नीति को लेकर केंद्र सरकार कन्फ्यूज है। सरकार को विदेश नीति पर अपना स्टैंड साफ करना चाहिए। मित्र की पहचान संकट में होती है। जिसने हमेशा साथ दिया हो, उसके साथ खड़ा न होना धोखा है। सरकार से ईरान-इजराइल युद्ध में फंसे भारतीयों को वापस लाने की अपील करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जो भी भारतीय नागरिक दूसरे देशों में फंसे हैं, उन्हें सरकार डिप्लोमैटिक प्रयास कर विशेष विमान भेज कर वापस लाए।

सपा सरकार बनी तो पुलिस में महिलाओं की भर्ती के लिए ढांचागत बदलाव करेंगे : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 चुनाव को लेकर बड़ा वादा किया है। उन्होंने कहा कि अगर 2027 में यूपी में सपा की सरकार बनी तो पुलिस विभाग में महिलाओं की भर्ती के लिए हम ढांचागत बदलाव करेंगे।

मंदिर के चंदे पर कब्जा करने के लिए योजना बना रही है भाजपा : अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा मंदिर के चंदे पर कब्जा करने के लिए नई योजनाएं बना रही है। धरती पर इतने मंदिर कभी भी नहीं तोड़े गए हैं जितने भाजपा राज में तोड़े गए हैं। बनारस में पुराने मंदिरों को तोड़ा गया है। वहीं, वेनिस समेत तमाम शहरों में पुरानी गलियों को संरक्षित किया गया है।

सपा ने तीनों बागी विधायकों को पार्टी से किया निष्कासित

राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और मनोज कुमार पांडेय पर बड़ा एक्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) ने तीन विधायकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सपा ने तीन विधायकों को पार्टी से निकाल दिया है। पार्टी ने विधायक राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और मनोज कुमार पांडेय पर कार्रवाई की है।

सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए समाजवादी पार्टी ने जानकारी दी है कि विधायक अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज कुमार पांडेय को उनकी सांप्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता और किसान विरोधी, महिला विरोधी, युवा विरोधी, कारोबारी विरोधी , नौकरीपेशा विरोधी और पीडीए विरोधी विचारधारा का समर्थन करने के कारण निष्कासित कर दिया। गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह, गौरीगंज सीट से विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज कुमार पाण्डेय पर समाजवादी पार्टी ने एक्शन लिया है। पोस्ट में लिखा है कि इन लोगों को हृदय परिवर्तन के लिए दी गई 'अनुग्रह-अवधि' की समय-सीमा अब पूरी हुई, शेष की समय-सीमा अच्छे व्यवहार के कारण शेष है। भविष्य में भी 'जन-विरोधी' लोगों के लिए पार्टी में कोई स्थान नहीं होगा और पार्टी के मूल विचार की विरोधी गतिविधियां सदैव अक्षम्य मानी जाएंगी। जहां रहें, विश्वसनीय रहें। मनोज पांडेय रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी छोड़ी थी। राज्यसभा सीट में क्रॉस वोटिंग के बाद से वह भाजपा के खेमे में आ गए थे। लोकसभा चुनाव के पहले रायबरेली सीट से इस बात के भी संकेत मिल रहे थे कि हो सकता है कि मनोज पांडेय को ही टिकट दे दिया जाए। बाद में दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से टिकट मिला। खास बात यह रही कि मनोज पांडेय ने दिनेश प्रताप सिंह की सभाओं से दूरी बनाई थी। उनकी नाराजगी को भांपकर गृहमंत्री अमित शाह उनसे मिलने के लिए घर गए थे। इसके बाद वह चुनाव प्रचार के लिए निकले थे।

बसपा विपक्ष की साजिशों का जनता के सामने करेगी पर्दाफाश

2027 चुनावों के लिए बनाएगी नई रणनीति कई टीमें मैदान पर सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2027 में यूपी में होने वाले विधान सभा चुनावों के लिए बसपा ने कमर कसना शुरू कर दिया है। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व अब अपनी पूरी रणनीति बदलने की तैयारी में जुट गया है। बूथ स्तर पर कई टीमें बनाने की कवायद शुरू हो गई है। डेढ़ साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी गांव-गांव जाकर अपना जनाधार बढ़ा रही है।

पार्टी की करीब 1600 टीमें गांवों में पोलिंग बूथ और सेक्टर कमेटियां बनाकर लोगों को जोड़ रही हैं। पार्टी का कहना है कि पदाधिकारी भी नामित किए जा रहे हैं, जो लोगों को बसपा की नीतियों और विपक्ष की साजिशों से अवगत करा रहे हैं। बता दें कि

पार्टी अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर भाईचारा कमेटी और ओबीसी कमेटी लगातार काम कर रही हैं। पार्टी नेताओं का मानना है कि जिस तरह वर्ष 2007 में भाईचारा कमेटियों के जरिये समाज के सभी वर्गों के लोगों का गठबंधन स्थापित करते हुए सरकार बनाई गई थी, उसी फॉर्मूले पर अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी करनी है। इसके तहत गांव-गांव जाकर कमेटियों का गठन करना पहली प्राथमिकता है। जिसके लिए हर विधानसभा क्षेत्र में चार टीमें बनाई जा चुकी हैं। पार्टी का मानना है कि बसपा नेताओं की नहीं, कार्यकर्ताओं की पार्टी है।

सुमेड़ी कांड को लेकर मप्र में राजनीति गर्म

कांग्रेस व भाजपा आमने-सामने, पीड़ित परिवार से मिले पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के लवकुशनगर थाना क्षेत्र के शुमेडी गांव में शनिवार को दिनदहाड़े फिल्मी अंदाज़ में हुई किडनैपिंग और गोलीबारी की वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। इस वारदात के बाद मप्र की भाजपा सरकार पर कांग्रेस ने करारा वार किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि राज्य की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। बता दें हथियारों से लैस करीब दर्जनभर बदमाशों ने एक महिला और उसके दो बच्चों को जबरन अगवा कर लिया। विरोध करने पर महिला के पति पर जानलेवा हमला किया गया, वहीं उसकी मां के साथ भी मारपीट की गई। इस सनसनीखेज घटना का एक वीडियो सामने आया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। पुलिस ने मामले में अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह मामला कथित प्रेम-प्रसंग से जुड़ा है। मुख्य आरोपी संजय सिंह राजपूत ने अपने साथियों के साथ पूरी योजना बनाकर इस वारदात को अंजाम दिया।

कांग्रेस ने चार सदस्यीय जांच समिति गठित की

घटना ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। कांग्रेस ने मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय जांच समिति गठित की है और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सोमवार को पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंच रहे हैं। दूसरी ओर, भाजपा विधायक अरविंद पटेरिया ने भी गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा से भी पीड़ति की वीडियो कॉल पर बात करवाई, जिन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

भाजपा को हरियाणा के लोगों की चिंता नहीं : दिग्विजय सिंह

जजपा ने बीजेपी पर बोला हमला, कहा- युवाओं को अंधेरे में झोंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार में प्रदेश के हालात बेहद खराब हो गए है। उन्होंने कहा कि सरकार को न तो युवाओं के हितों का ध्यान है और न ही प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा की कोई चिंता है।

दिग्विजय ने कहा कि एचएयू के बेकसूर छात्र कई दिनों से लाठीचार्ज के दोषियों पर ठोस कार्रवाई करने और स्कॉलरशिप बहाली की मांग कर रहे है, लेकिन इतने दिन बीतने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि दोषियों पर कार्रवाई करने की बजाय उल्टा विद्यार्थियों पर ही दबाव बनाकर धरना समाप्त करवाने की कोशिशें की जा रही है। दिग्विजय ने कहा कि छात्रों की सीधी मांग है कि घटना के दोषी वीसी को तुरंत हटाया जाए ताकि उन्हें न्याय मिले। वे रविवार को पानीपत में जेजेपी के युवा जोड़ो अभियान के तहत युवाओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान दिग्विजय की मौजूदगी में अनेक युवाओं ने जेजेपी में शामिल होने की घोषणा की और पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

आप व भाजपा में फिर सियासी तकरार

सिसोदिया से एसीबी ने पूछे 37 सवाल, दिल्ली में मचा बवाल

» बीजेपी पर आम आदमी पार्टी हमलावर

» भ्रष्टाचार निरोधक शाखा बोली- नहीं ली एक की भी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया से कथित क्लासरूम घोटाला मामले में 37 सवाल पूछे। मगर पूर्व डिप्टी सीएम ने एक भी सवाल व कथित घोटाले में निर्णयों आदि की जिम्मेदारी अपने ऊपर नहीं ली। एसीबी सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान पूर्व डिप्टी सीएम अपनी जिम्मेदारियों से भागते हुए नजर आए। उन्होंने क्लासरूम मामले में लिए गए निर्णयों के लिए दिल्ली सरकार की कैबिनेट व अफसरों को जिम्मेदार ठहराया।

एसीबी प्रमुख संयुक्त पुलिस आयुक्त मधुर वर्मा ने बताया कि पूर्व डिप्टी सीएम ने यह नहीं बताया कि कौन सा निर्णय उनके द्वारा लिया गया। जबकि वह फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन थे। उन्होंने बतौर चेयरमैन फैसले लिए होंगे। एसीबी प्रमुख ने बताया कि सीवीसी की रिपोर्ट वर्ष 2012 में आई। मगर आप सरकार रिपोर्ट को 2025 तक दबाए रखी। उन्होंने इस रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने इस मामले में किसी को कारण बताओ नोटिस तक जारी नहीं किया। उन्होंने बताया कि जब ये सवाल पूछा गया कि रेट एक साल में दोगुना कैसे हो गए तो इसका भी संतुष्टीपूर्ण जवाब नहीं दिया। एसीबी प्रमुख ने कहा कि जब फाइनेंस कमेटी के वह चेयरमैन थे तो उनके बिना कैसे निर्णय ले लिए गए। कई कागजातों पर उनके हस्ताक्षर है, इसके बावजूद उनके बिना कैसे निर्णय ले लिए गए, जैसा की उन्होंने पूछताछ में दावा किया।

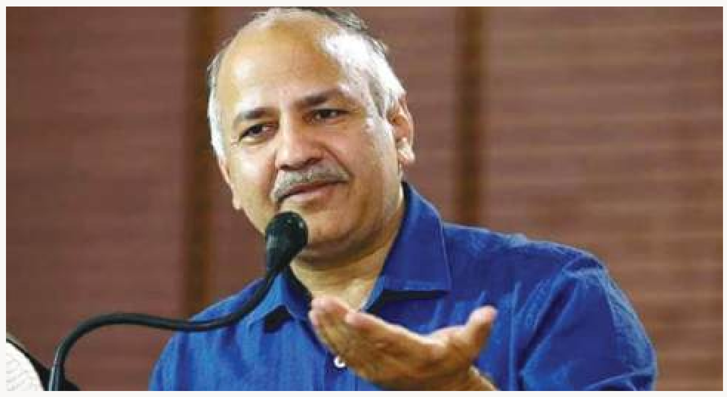

200 से अधिक झूठे मामले दर्ज : आतिशी

आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने को केंद्र और दिल्ली में बीजेपी की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ 200 से अधिक झूठे मामले दर्ज कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। आतिशी ने कहा कि पिछले 10 साल में भाजपा की ईडी, सीबीआई, आईटी (आयकर) और दिल्ली पुलिस ने आप नेताओं के खिलाफ 200 से अधिक झूठे मामले दर्ज किए हैं, लेकिन आज तक एक भी रुपया बरामद नहीं हुआ है?

भाजपा को काम नहीं आता, बस फर्जी एफआईआर का खेलती है खेल : सिसोदिया

पूछताछ के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेसवार्ता कर फर्जी एफआईआर का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के काम करना नहीं आता, इसलिए वह फर्जी एफआईआर का खेल खेलती है। दिल्ली की जनता ने भाजपा को काम करने का जनादेश दिया, लेकिन 100 दिनों में बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई काम नहीं हुआ। यह जांच

100 दिनों में बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई काम नहीं हुआ

निजी स्कूलों की लूट, बिजली कटौती और पानी की किल्लत से जनता का ध्यान भटकाने की साजिश है। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में शिक्षा के क्षेत्र में शानदार काम हुआ, जिसे पूरा देश जानता है। भाजपा ने राजनीति से प्रेरित होकर फर्जी क्लासरूम घोटाले की एफआईआर दर्ज की। पिछले 10 साल में भाजपा ने आप नेताओं की कुंडली खंगाली, लेकिन भ्रष्टाचार का एक भी पैसा नहीं मिला। उन्होंने कहा कि पहले भी कुछ नहीं निकला, अब भी कुछ नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा को स्कूल, अस्पताल या सड़कें बनाना नहीं आता। सिसोदिया ने कहा कि भाजपा के समर्थक भी पावर कट और स्कूलों की लूट से त्रस्त हैं।

सिसोदिया की गिरफ्तारी तय : सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी पर प्रहार करते हुए कहा कि जैसे-जैसे क्लासरूम घोटाले की एसीबी जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे आप नेताओं की बौखलाहट बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी की नेता आतिशी मार्लेना को अब मनीष सिसोदिया के बचाव में बयान देने के बजाय उनकी जमानत की चिंता करनी चाहिए, क्योंकि उनकी गिरफ्तारी जल्द होने वाली है। सचदेवा ने कहा कि सरकारी स्कूलों में टॉयलेट और बरांडे को क्लासरूम बताकर भुगतान में भारी अनियमितताएं की गईं, जो अब जांच में सामने आ रही हैं। जल्दी ही यह सब न्यायालय के समक्ष रखा जाएगा। आप शासन में भ्रष्टाचार एक संगठित रूप में किया गया था, जिसमें सिसोदिया और अन्य नेता प्रमुख भूमिका में थे।

महाराष्ट्र में शिंदे व उद्धव में बढ़ा वार-पलटवार

फिल्मी डायलॉगों व अखबारों में एक-दूसरे पर किए वार

» शिवसेना यूबीटी ने सरकार पर अघोरी टोटकों का आरोप लगाया

» शिंदे बोले- उद्धव मरे हुए हैं उन्हें क्या मारना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई । महाराष्ट्र में फिर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। जहां विपक्ष के निशाने पर भाजपा सरकार है वहीं यूबीटी शिवसेना शिवसेना शिंदे गुट में भी वार पलटवार तेज हो गया है। फिल्मी डायलॉगों से उद्धव व शिंदे एकदूसरे की टांग खींच रहे हैं। शिवसेना यूबीटी तो महाराष्ट्र के मंत्री के फोटों जारी कर उनके अघोरी पूजा, तंत्र-मंत्र और खोपड़ियों का सहारा के सार्वजनिक कर रहें हैं। सामना के संपादकीय में एकनाथ शिंदे और उनके मंत्री पर अंधविश्वास और अघोरी टोटकों को लेकर तीखा प्रहार किया गया है। मंत्री भरत गोगावले की अघोरी पूजा की तस्वीर भी चर्चा में है।

महाराष्ट्र की राजनीति में आज कल अंधविश्वास और टोटकों की चर्चा जोरों पर है। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना में छपे संपादकीय घातियों के टोटके! ने उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके गुट के मंत्री भरत गोगावले पर तीखा हमला किया है। संपादकीय में हाल ही में वायरल हुई गोगावले की अघोरी पूजा करते हुए एक फोटो का हवाला देते हुए कहा गया कि प्रगतिशील महाराष्ट्र को अब श्मशान और खोपड़ियों के बीच झोंका जा रहा है। इस फोटो में मंत्री को लगभग नग्न अवस्था में मानव खोपड़ियों, नींबू-मिर्च और हड्डियों के बीच अघोरी बाबा के सामने बैठा दिखाती है, जो पूरे राज्य में चर्चा का विषय बनी हुई है।

शिंदे के पास न अपनी पार्टी है, न अपना नेतृत्व और न ही विचारधारा

अंतिम पैराग्राफ में सामना ने शिंदे पर सीधे निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास न अपनी पार्टी है, न अपना नेतृत्व और न ही विचारधारा. संपादक में लिखा, पहली दफा महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में नींबू, मिर्च, पिन और खोपड़ी को महत्व मिलने लगा है। यह शिंदे की उपलब्धि है. उसी शिंदे ने एक बार फिर बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को गाड़ने की बात कही है. वे उन्हीं को दफनाने की बात करते हैं जिनका नमक खाकर वे इस पद पर पहुंचे हैं। यह पतन के निम्नतम स्तर पर पहुंचने का उदाहरण है. शिंदे के पास अपना कुछ भी नहीं है, चुराई हुई पार्टी, चुराया हुआ बाप, यहां तक कि अमित शाह का नेतृत्व भी किराए का है, राजनीति में लाया गया पैसा भी चोरी का है वे ऐसा नहीं सोचते इसलिए खुद बेईमानी को प्रतिष्ठित करने के लिए अघोरी नाच होगा ही उन्हें ऐसा करते रहना चाहिए. इससे महाराष्ट्र की जनता को सत्य का दर्शन होता रहता है।

विपक्ष पर लगाए कई बड़े आरोप

शिंदे गुट पर सामना ने तीखे शब्दों में हमला करते हुए कहा कि अमित शाह ने पार्टी का चिह्न चुराकर शिंदे को दिया और अब वही शाह महाराष्ट्र के दुश्मन नंबर एक हैं। संपादकीय में यह भी आरोप लगाया गया कि शाह, फडणवीस और अन्य बड़े उद्योगपतियों की साजिश है कि मराठी मानुष को धारावी समेत मुंबई से बाहर किया जाए और वहां व्यापारिक राज कायम किया जाए. इस 'मेगा डील' में शिंदे को केवल एक दलाल की भूमिका में बताया गया है।

एकनाथ शिंदे के बयानों पर बोला हमला

संपादकीय में उद्धव ठाकरे के बयानों पर ध्यान देते हुए लिखा गया है कि शिवसेना और ठाकरे ब्रांड को मिटाने का सपना भी शिंदे गुट नहीं देख सकता। ठाकरे ने चेताया कि जो लोग उन्हें खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद अपनी हार की ओर बढ़ रहे हैं, शिंदे द्वारा मरे हुए को मारने से क्या मिलेगा? जैसे बयानों को मानसिक कुंठा का प्रतीक बताते हुए सामना ने लिखा कि शिंदे गुट की हालत अब मृतप्राय हो चुकी है, और उनके नेता रात के अंधेरे में दिल्ली जाकर फडणवीस और अमित शाह से फरियाद करते हैं।

21 तारीख को ही हमने बड़ा योग किया था, उद्धव ठाकरे पर एकनाथ शिंदे का तंज

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने शनिवार को इस दिन को तत्कालीन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के खिलाफ विद्रोह के अपने 2022 के राजनीतिक कदम से जोड़ा, और इसे बड़ा योग कहा, जिसने उनके अनुसार, महाराष्ट्र की राजनीतिक स्थिति को बदल दिया। शिवसेना में विभाजन का जिक्र करते हुए, शिंदे ने कहा कि 21 जून को मैराथन योग सत्र की शुरुआत हुई, जिसने उनके अनुसार, राज्य में स्थिरता और विकास लाया। शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के कारणों के बारे में बात करते हुए कहा कि 21 तारीखों को ही हमने बड़ा योग किया था। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि 21 तारीखों को ही हमने बड़ा योग किया था, वो मैराथन योग था। उस योग की शुरुआत मुंबई से हुई थी और उसकी वजह से 21 जून को महाराष्ट्र में बहुत बदलाव आया है, हम यहां विकास देख रहे हैं। हमारी सरकार लोगों के लिए काम कर रही है। देवेंद्र फडणवीस और मैं पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में इस दिशा में काम कर रहे हैं। मूल रूप से बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना में जून 2022 में विभाजन हुआ, जब एकनाथ शिंदे ने विद्रोह का नेतृत्व किया। इसके कारण उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई। तब से दोनों गुटों में टकराव जारी है। शिंदे ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं भी दीं और दुनिया भर में योग को बढ़ावा देने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। शिंदे ने कहा,मैं सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देता हूं। पीएम मोदी के प्रयासों के कारण, संयुक्त राष्ट्रने इसे मान्यता दी है, इसलिए, दुनिया इस दिन को मनाती है पीएम मोदी खुद हर दिन योग करते हैं, और इसलिए, वे स्वस्थ और फिट हैं। यही कारण है कि वे हमारे देश और इसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को भी सबक सिखाया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अनदेखी और लापरवाही पर नकेल कसना जरूरी

> अमूमन देखने को मिलता है कि इस तरह की घटनाओं के घटने के बाद एक जांच कमेटी बनाकर कर्तव्यों की इतीश्री कर ली जाती है। फिर सारे मामले ठंडे बस्ते में चले जाते हैं दूसरे हादसे के बाद ही वह बस्तों से बाहर आते हैं फिर बस्तो में जाने के लिए। बता दें उत्तराखंड के चार धाम में हुआ एक और हेलिकॉप्टर हादसा नियमों की अनदेखी, लापरवाही और ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने की होड़ का नतीजा है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले में डीजीसीए ने एयर इंडिया के तीन कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। देर से ही सही एक अच्छा निर्णय है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया प्रथम दृष्टया इन कर्मियों पर काम के प्रति लापरवाही का मामला बनाकर यह कार्रवाई की गई है। पर बात इतने से नही बनने वाली। इसके लिए बड़े स्तर पर एक नियमावली बनाने की जरूरत है ताकि आने वाले समय में कोई भी इस तरह की अनदेखी न करने जिसमें कई लोगों की जान दांव पर लगी हो। अमूमन देखने को मिलता है कि इस तरह की घटनाओं के घटने के बाद एक जांच कमेटी बनाकर कर्तव्यों की इतीश्री कर ली जाती है। फिर सारे मामले ठंडे बस्ते में चले जाते हैं दूसरे हादसे के बाद ही वह बस्तों से बाहर आते हैं फिर बस्तो में जाने के लिए। बता दें उत्तराखंड के चार धाम में हुआ एक और हेलिकॉप्टर हादसा नियमों की अनदेखी, लापरवाही और ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने की होड़ का नतीजा है। केवल मई-जून में ही हुई पांच दुर्घटनाएं और उनमें 13 लोगों की मौत बताती हैं कि पिछली घटनाओं से सबक नहीं लिया गया और न ही सरकारी कार्रवाई का हेलिकॉप्टर ऑपरेटरों पर असर हो रहा है।

निगरानी क्यों नहीं की जाती है। हालिया क्रैश केदारनाथ से लौटते समय गौरीकुंड के पास हुआ। कारण खराब मौसम बताया जा रहा । स्लॉट का पालन नहीं करने पर संबंधित कंपनी आर्यन एविएशन के अफसरों पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। लेकिन, इससे यह सवाल भी उठता है कि जब मौसम अनुकूल नहीं था, तो उड़ान हुई कैसे - क्या हेलिकॉप्टर सर्विस पर निगरानी का कोई सिस्टम नहीं है। कुछ दिनों पहले ही एक कंपनी के दो पायलटों पर इसी मामले में एक्शन लिया गया था। इसके बावजूद एक अन्य कंपनी फिर वही गलती दोहराती है। नियमों की अनदेखी भी होती है। उत्तराखंड में श्रद्धालुओं की संख्या बेहिसाब ढंग से बढ़ी है और इसी के साथ हेलिकॉप्टर सेवा भी। लेकिन, इसमें सुरक्षा मानकों की अनदेखी के आरोप भी खूब लगे हैं। चूंकि यात्रा सीजन सीमित होता है, ऐसे में ज्यादातर कंपनियों का जोर अधिक से अधिक उड़ान भरने और मुनाफा कमाने पर होता है। इसी वजह से कभी उत्तरकाशी जैसे हादसे होते हैं और कभी सड़क पर हार्ड लैंडिंग की तस्वीरें आती हैं। इसका एक पहलू पर्यावरण पर पड़ने वाला नकारात्मक असर भी है। एविएशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि चार धाम रूट, खासकर केदारनाथ रूट एक पायलट के लिहाज से सबसे चुनौतीपूर्ण है। यहां उड़ानें तो बढ़ी हैं, लेकिन रडार या एयर ट्रैफिक कंट्रोल जैसा जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं हैं। पायलटों को केवल अपनी आंख पर भरोसा करके आगे बढ़ना होता है, लेकिन उस ऊंचाई पर, जहां मौसम अचानक करवट ले लेता है, यह बहुत जोखिम भरा है। ऊपर से कंपनियों का लालच इस जोखिम को और बढ़ा देता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पड़ोसी देशों से बेहतर रिश्ते बनाने की हो कोशिश

गुरबचन जगत

'दुश्मन को बिना लड़े हरा देना, कौशल की पराकाष्ठा है'-प्रसिद्ध चीनी जनरल सन त्ज़ु ने यह सूक्ति 500 ईसा पूर्व दी थी; जो आज भी सटीक है। चीनी अपने पुरातन सैन्य रणनीतिकारों के अच्छे शिष्य रहे हैं, जैसा कि भारतीय उपमहाद्वीप और हिंद महासागर को लेकर उनकी भू-राजनीतिक रणनीति 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' में परिलक्षित है, जहां से होकर वैश्विक जहाजरानी का बड़ा हिस्सा गुजरता है। उन्होंने ग्वादर (पाकिस्तान), हम्बन्तोता (श्रीलंका), क्यौकप्यू (म्यांमार) और जिबूती में बंदरगाह विकसित किए। इसे जब उनकी बेल्ट एंड रोड पहल से जोड़कर देखें तो इस क्षेत्र पर बनता उनका वर्चस्व और चीनी व्यापार एवं सैन्य ताकत प्रदर्शित करती क्षमता साफ दिखती है। साल 1978 से 2005 तक उनकी इकोनॉमी 9 फीसदी दर से बढ़ी, जिसने उन्हें एक गरीब देश से विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदल दिया।

इसी वक्त, उसने एक दीर्घकालिक भू-राजनीतिक रणनीति भी चलानी शुरू की। इन बंदरगाहों और अन्य बुनियादी ढांचे को बनाने में दशकों लग गए। आज, उपमहाद्वीप के राजनीतिक मानचित्र को देखते हुए, खुद को जिस तेजी से अलग-थलग माहौल में पा रहे हैं, उससे हम आंखें मूंद नहीं सकते। पाकिस्तान से लगती उत्तर-पश्चिमी सीमा शत्रुतापूर्ण है; उत्तर-पूर्वी परिदृश्य में चीन का दबदबा है, शत्रुतापूर्ण बांग्लादेश, तटस्थ नेपाल, नटखट म्यांमार और कमजोर भूटान है। दक्षिण में, श्रीलंका खुद को चीनी प्रभाव में धंसता पा रहा है। सालों चले तमिल-सिंहली संघर्ष के बाद दिशा भटकी भारतीय शांति स्थापना मुहिम ने बहुत हद तक आपसी भरोसा तोड़ा। इस रिश्ते को सुधारने को अगले दशकों में खास नहीं किया। पुराना सहयोगी मालदीव हमें मुश्किल सहन करता है। दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ कोई सार्थक व्यापार समझौता नहीं, तो हम खड़े कहां हैं?

दुनिया हिंसा के भंवर में फंसी है और कई अन्य ज्वलंत बिंदु हैं, जो हमें हिंसा की ओर धकेल सकते हैं। तीन साल पहले, जब यूक्रेन-रूस युद्ध छिड़ा था, तो हमारे प्रधानमंत्री ने हिंसा खत्म करने का आह्वान किया था 'यह युग युद्ध का नहीं है' जिसकी प्रतिध्वनि दुनियाभर में गूंजी। हालांकि, तब से दुनिया विनाशकारी परिणाम के भंवर की ओर खिंचती प्रतीत हो रही है। मध्य-पूर्व और यूक्रेन में तबाही पर बात करने से पहले देखें कि मौजूदा परिदृश्य में हम किस स्थिति में हैं। सच है कि हमने लगभग कभी युद्ध नहीं चाहा, लेकिन जब कभी

इसने हमारे दरवाजे पर दस्तक दी तो हम हमेशा आगे बढ़े और अपना बचाव किया। हालांकि, अहम यह कि युद्ध को अपनी सीमाओं से दूर रखा जाए, इससे पहले कि यह हमें नुकसान पहुंचाए। इसके लिए, अपने पास मजबूत रक्षा बल के साथ-साथ कुशल कूटनीति होनी जरूरी है। सबसे पहले अपने पड़ोस और अपने आसपास के दोस्तों के साथ खास सक्रिय रहना चाहिए। लेकिन, लगता है आसपास के क्षेत्र में हमारा कोई दोस्त नहीं रहा। यह रातोंरात बनी स्थिति नहीं, बल्कि हमारे द्वारा किसी भी सार्थक प्रयास की अनुपस्थिति में, चीन द्वारा की गई श्रमसाध्य नीतिगत पहलों का परिणाम है। जबकि हमने आत्म-त्याग में जीना चुना। चीन ने चतुराई से अपना खेल खेला और इन देशों को उनकी जरूरत अनुसार समय-समय पर वित्तीय मदद, बुनियादी ढांचा निर्माण और अन्य भौतिक मदद प्रदान करके दिल जीत लिया। अब उसके पास हमारी सीमाओं और सीमावर्ती राज्यों में परेशानी खड़े करने की क्षमता है, चाहे वह पूर्वोत्तर हो या उत्तर-पश्चिम। रणनीतिक लक्ष्यों के साथ सक्रिय राजनयिक मिशन रखने से इस परिदृश्य से बचा जा सकता था। कश्मीर में, जहां पाकिस्तानी एजेंसियों ने खून-खराबे करवाने की फिराक में हमारी जमीन को दागदार किया, हमने मजबूती दिखाई, और हमारे राजनीतिक नेतृत्व एवं सशस्त्र बल प्रतिक्रिया देने में दृढ़ और निर्णायक रहे। सक्रिय प्रतिकर्म का नतीजा रहा कि चार दिन बाद, दुश्मन शांति की दुहाई डालता दिखा, और हमने उदारता से उनकी याचना स्वीकार कर ली, हालांकि एक वर्ग अधिक कठोर कार्रवाई करने के पक्ष में था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने युद्धविराम का श्रेय लिया, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री ने उन्हें स्पष्ट कहा कि भारत को कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता मंजूर नहीं। अमेरिका, उसके राष्ट्रपति और सैन्य नेतृत्व ने आतंकवाद को काबू करने में तथाकथित मदद के लिए पाकिस्तान की प्रशंसा की है। और गत बुधवार ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पाक सेना प्रमुख की मेजबानी की। हाल ही में सीमा पारीय झड़पों में, चीनी निश्चित रूप से पाकिस्तानियों के साथ थे, रूसियों ने भी हमारे प्रति विगत के समर्थन जैसा उत्साह नहीं दिखाया और अमेरिकी लहजा अपमानजनक रहा। इसकी तुलना 1971 में भारत और सोवियत संघ के बीच हस्ताक्षरित शांति, मैत्री व सहयोग की संधि से करें। तब अमेरिका ने बंगाल की खाड़ी में अपना 7वां बेड़ा तैनात कर दिया था और ब्रिटेन ने हमारे खिलाफ विमान वाहक बेड़ा रवाना किया।

अस्वस्थ प्रतियोगिता से दांव पर विश्वसनीयता

विश्वनाथ सचदेव

बहुत पुरानी बात है। सातवीं-आठवीं कक्षा में पढ़ता था मैं। किसी शब्द को लेकर एक मित्र से बहस हो गयी। मुद्दा शब्द के हिज्जों का था। मुझे अच्छी तरह से याद है कि मैंने 'ब्रह्मास्त्र' चलाते हुए कहा था, मैंने अखबार में पढ़ा है, यह शब्द ऐसे ही लिखा जाता है। और बहस समाप्त हो गयी थी। मेरे तर्क को सुनकर मित्र ने हथियार डाल दिये थे। वह जीत मेरी नहीं, अखबार की थी। उस समय हमारे दिमागों में यह बात बिठा दी गयी थी कि अखबार की बात पर विश्वास करना चाहिए। वास्तव में यह सारा मुद्दा अखबार या मीडिया की विश्वसनीयता का था। उस समय के मीडिया ने, यानी अखबारों ने अपने पाठकों का विश्वास अर्जित किया था। अखबार में लिखने वाला यह जानता था कि पाठक उसकी बात पर भरोसा करता है और इसलिए वह यह भी मानता था कि इस भरोसे को बनाये रखना उसके अस्तित्व तथा सार्थकता की शर्त है।

अखबार पढ़ने वाला भी इस विश्वास के साथ पढ़ता था कि अखबार में लिखा है, इसलिए यह सही होगा। पारस्परिक भरोसे का यह रिश्ता आज भी खत्म नहीं हुआ है। अखबार पढ़ने वाला या टीवी पर समाचार देखने-सुनने वाला आज भी यह मानना चाहता है कि वह जो पढ़ रहा या देख रहा है, वह सही है। पर दुर्भाग्य से, विश्वास का यह रिश्ता आज कमजोर पड़ गया है। आज मीडिया विश्वसनीयता खोता नजर आता है। कारण है इस स्थिति के बनने का। अब मीडिया मिशन नहीं रहा, जैसा कि पहले था। व्यापार बन चुका है अधिकांश मीडिया। यह जानकारी भी अब हैरान नहीं करती कि देश के सबसे बड़े मीडिया संस्थान के मालिक ने खुलेआम इस बात को स्वीकारा है कि वह खबरों में नहीं, आर्थिक प्राथमिकताओं में लगे हैं। ऐसी स्थिति में विश्वसनीयता का बने रहना संभव भी कैसे हो सकता है? मीडिया की दुनिया में आजकल एक शब्द बहुत तेजी से चल रहा है-टीआरपी। इस शब्द का मतलब है टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट। किसी कार्यक्रम या चैनल की लोकप्रियता को मापने के लिए यह एक माप है। टीआरपी जितनी ज्यादा होगी, चैनल को उतना ही ज्यादा व्यावसायिक लाभ होगा।

अधिकाधिक लाभ कमाने की एक दौड़ चल रही है मीडिया में, मीडिया की सारी विश्वसनीयता इसी प्रतियोगिता का शिकार बनती जा रही है। यह टीआरपी बढ़ाने का मंत्र है, सबसे पहले, सबसे आगे! हर समाचार चैनल इस कोशिश में लगा रहता है कि वह समाचार सबसे पहले दे, सबसे आगे रहे। इसी आधार पर विज्ञापन मिलते हैं। मीडिया को इस बात की तनिक भी चिंता नहीं लगती कि इस घटिया प्रतियोगिता में दांव पर उसकी सार्थकता लगी है। पर मीडिया को भला इसकी चिंता क्यों हो? सबसे पहले की इस दौड़ का, और उसके नतीजों का, ताजा उदाहरण 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देखा गया। देश पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला कर रहा था। लगातार सफल हो रहे थे हम। तभी पाकिस्तान के ताजा हालात की खबरें आने लगीं। हमारे टीवी चैनलों में जैसे पाकिस्तान की खबरें देने की होड़ लग गयी।

एक के बाद एक दूसरा 'स्कूप' सामने आ रहा था-'भारतीय सेना पाकिस्तान में घुस गयी', 'पाकिस्तानी सेना प्रमुख गिरफ्तार', 'पाक-सेना का आत्म-समर्पण', '1971 के बाद कराची सबसे बुरा सपना देख रहा है', जैसे समाचार लगातार प्रसारित होने लगे। देश में खुशी की लहर दौड़ना स्वाभाविक था। पर यह खुशी खत्म भी जल्दी ही हो गयी। देश ने हैरानी से देखा कि भारतीय सेना के शौर्य और विजय के नाम पर जो कुछ बताया-दिखाया जा रहा था, वह सब सही नहीं था। अमेरिका के एक प्रसिद्ध अखबार 'वॉशिंगटन पोस्ट' ने एक पूरे पृष्ठ में भारतीय सेना के अभियान का 'सच' बताया है। निस्संदेह आतंकी ठिकानों पर भारत की सटीक मार के समाचार सही थे, हमारे ड्रोनों के कारनामे भी सही थे, पर वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार कराची, लाहौर जैसे स्थानों पर भारतीय हमलों, पाकी सेनाध्यक्ष की गिरफ्तारी जैसे समाचारों में कोई सच्चाई नहीं थी। कतई जरूरी नहीं है कि हम किसी अमेरिकी अखबार के 'स्कूप' को सही मानें ही, पर भारत ने 'वॉशिंगटन पोस्ट' की बातों का कोई खंडन नहीं किया है, इसलिए उन्हें सहज ही गलत भी नहीं कहा जा सकता। बहरहाल, सवाल किसी विदेशी अखबार द्वारा प्रसारित बातों के औचित्य का नहीं है। सवाल यह है कि हमारे देश के समाचार चैनलों ने बिना किसी जांच के वह सब क्यों दिखाया जो सही सिद्ध नहीं हो रहा है। बताया गया कि इन समाचारों का मूल भारत के आधिकारिक चैनल प्रसार भारती के एक समाचार में था। संस्थान के किसी 'सूत्र' ने आधी रात को टेलीफोन पर किसी भारतीय पत्रकार को पाकिस्तान से संबंधित खबरों की जानकारी दी थी।

बात फैलने में देर नहीं लगी। समाचार चैनलों में 'सबसे पहले' की होड़ लगी गयी! बाद में कुछ चैनलों ने अपनी हड़बड़ी के लिए खेद भी व्यक्त किया, पर इससे यह तथ्य नहीं बदलता कि टीआरपी के लालच में हमारा मीडिया कुछ भी कर सकता है। हमारे विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने यह अवश्य कहा है कि 'वाशिंगटन पोस्ट' भारत के खिलाफ दुश्मनी भरा रवैया रखता है पर इससे भी इस तथ्य की गंभीरता कम नहीं हो जाती कि हमारे मीडिया को अपनी विश्वसनीयता की कोई चिंता नहीं है। यही नहीं, हमारे चैनल तो अब यह कह रहे हैं कि भले ही दिखाये गये समाचार सही नहीं हों, पर वे भारत-विरोधी समाचार नहीं थे। एक बड़े चैनल के एक बड़े एंकर ने तो स्पष्ट कहा है, 'हर चैनल ने कम से कम एक गलती की, लेकिन हमारी एक भी गलती इस देश के खिलाफ नहीं थी।'

चिखलदरा में उठाएं विदेशी हिल स्टेशन जैसा आनंद

फिल्मों में स्विट्जरलैंड के सुंदर दृश्यों को देखकर भारतीय उत्सुक हो जाते है और विदेश घूमने के सपने देखने लगते हैं। हालांकि ऐसे खूबसूरत नजारें भारत में भी मौजूद हैं। नागपुर के पास एक ऐसा हिल स्टेशन है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण किसी विदेशी हिल स्टेशन से कम नहीं लगता। अगर आप नागपुर के आसपास की भीषण गर्मी से राहत पाना चाहते हैं और विदेशी हिल स्टेशन जैसी ठंडक व हरियाली का अनुभव लेना चाहते हैं, तो चिखलदरा हिल स्टेशन एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। चिखलदरा का शांत वातावरण, हरियाली, झीलें, वॉटरफॉल और ऐतिहासिक स्थल इसे भारत का छोटा स्विट्जरलैंड बनाते हैं। कम बजट में भी यहां एक यादगार ट्रिप का आनंद लिया जा सकता है। खास बात है कि यह महाराष्ट्र का एकमात्र कॉफी उत्पादक क्षेत्र भी है।

सेंबर्डी व्यू पॉइंट

इस स्थान से मेलघाट टाइगर रिजर्व की खूबसूरती को निहारा जा सकता है। यहां से सुबह-शाम का नज़ारा लुभावना होता है। आप सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देखने सेंबर्डी व्यू पॉइंट आ सकते हैं।

गविलगढ़ किला

गेविलगढ़ किले का इतिहास 14वीं सदी से जुड़ा है। यह प्राचीन दुर्ग एक शानदार स्थापत्य कला का नमूना है। यहां के प्राचीन मंदिर और जैन मूर्तियां देखने लायक हैं।

शक्कर झील

बोटिंग का आनंद लेना हो या शांत माहौल में पिकनिक मनानी हो, शक्कर झील एक बेहतरीन जगह है। शाम के समय शक्कर झील के किनारे अपने परिवार या पार्टनर संग खुशनुमा वक्त बिता सकते हैं।

मेलघाट टाइगर रिजर्व

महाराष्ट्र राज्य का अमरावती जिला मेलघाट टाइगर रिजर्व का घर है। मेलघाट टाइगर रिजर्व मध्य भारत की सतपुड़ा हिल रेंज की दक्षिणी शाखा, गाविलगढ़ हिल पर स्थित है। नागपुर के पश्चिम में, यह 225 किलोमीटर दूर है। इसे 1967 में एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था और 1974 में एक बाघ अभयारण्य के रूप में नामित किया गया था। चिखलदरा हिल स्टेशन पर वन्यजीव प्रेमियों के लिए टाइगर रिजर्व स्थित है, जहां बाघ, तेंदुआ, नीलगाय, सांभर आदि को करीब से देखने का बेहतरीन मौका मिल सकता है। बर्डवॉचिंग के शौकीनों के लिए भी यह आदर्श स्थान है।

हिल स्टेशन कब जाएं

सितंबर से मार्च का मौसम ठंडा और सुहावना होता है। सफर पर आने के लिए यह सबसे अच्छा समय है। वहीं जुलाई से अगस्त तक मानसून रहता है। इस समय हरियाली चरम पर होती है, लेकिन सफर थोड़ा कठिन हो सकता है। नागपुर से चिखलदरा की दूरी लगभग 230 किलोमीटर है, जिसका सफर सड़क मार्ग के जरिए करीब 5 घंटे में तय किया जा सकता है। सड़क मार्ग के जरिए नागपुर-अमरावती होते हुए राज्य परिवहन या निजी वाहन से आसानी से पहुचा जा सकता है। बदनेरा रेलवे स्टेशन चिखलदरा से 110 किमी की दूरी पर है। वहीं हवाई मार्ग से यात्रा करने वालों को नागपुर एयरपोर्ट पहुंचना होगा। वहां से आगे का सफर बस, निजी वाहन या टैक्सी से तय किया जा सकता है।

हंसना मना है

टीचरः सेमस्टर सिस्टम के फायदे बताओ? स्टूडेंटः फायदे तो पता नहीं, पर बेइज्जती साल में 2 बार हो जाती है।

भिखारी- लड़की से बोला कुछ खाने को दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- रोटी दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- अच्छा लाओ टमाटर ही दे दो, लड़की की मां- अरे तुम जाओ बाबा ये तोतली है। कह रही है..क्षमा कर खाओ।

जिस लड़के कि शादी, उसकी पहली ही गर्लफ्रेंड से हो जाए तो ऐसा लगता है जैसे बंदा "Try Ball" पर ही आउट हो गया।

टीचर ने साइंस लैब में अपनी जेब से सिक्का निकाला और एसिड में डाला, फिर बच्चों से पूछा कि ये सिक्का घुल जाएगा या नहीं, बच्चा- सर, नहीं घुलेगा, टीचर- शाबाश, लेकिन तुम्हें कैसे पता? बच्चा- सर अगर एसिड में डालने से सिक्का घुलता, तो आप सिक्का हमसे मांगते, ना कि अपनी जेब से निकालते।

डॉक्टर - कहिए कैसे आना हुआ, राजू- डॉक्टर साहब लिवर में बहुत दर्द हो रहा है, डॉक्टर- शराब पीते हो? राजू- हां- हां बिल्कुल पर छोटा पैक ही बनाना।

कहानी — विद्वता पर कभी घमंड न करें

एक बार महाकवि कालिदास को प्यास लगी। तो पनिहारिन से बोले, माते! पानी पिला दीजिए बड़ा पुण्य होगा। पनिहारिन बोली, बेटा मैं तुम्हें जानती नहीं। अपना परिचय दो। कालिदास ने कहा, मैं मेहमान हूं, कृपया पानी पिला दें। पनिहारिन बोली, तुम मेहमान कैसे हो सकते हो? संसार में दो ही मेहमान हैं। पहला धन और दूसरा यौवन। तर्क से पराजित कालीदास अवाक रह गए। कालिदास बोल, मैं सहनशील हूं। पनिहारिन ने कहा, नहीं, सहनशील तो दो ही हैं। पहली, धरती जो पापी-पुण्यात्मा सबका बोझ सहती है। दूसरे पेड़ जिनको पत्थर मारो फिर भी मीठे फल देते हैं। कालिदास मूर्छा की स्थिति में आ गए और तर्क-वितर्क से झल्ला उठे! कालिदास बोले, मैं हठी हूं। पनिहारिन बोली, हठी तो दो ही हैं। पहला नख और दूसरे केश, कितना भी काटो बार-बार निकल आते हैं। कालिदास अपमानित और पराजित हो चुके थे कालिदास ने कहा, फिर तो मैं मूर्ख ही हूं। पनिहारिन ने कहा, नहीं तुम मूर्ख कैसे हो सकते हो। मूर्ख दो ही हैं। पहला राजा जो बिना योग्यता के भी सब पर शासन करता है, और दूसरा दरबारी पंडित जो राजा को प्रसन्न करने के लिए ग़लत बात पर भी तर्क करके उसको सही सिद्ध करने की चेष्टा करता है। अब कालिदास वृद्धा पनिहारिन के पैर पर गिर पड़े और पानी की याचना में गिड़गिड़ाने लगे! वृद्धा ने कहा, उठो वत्स! कालिदास ने ऊपर देखा तो साक्षात माता सरस्वती वहां खड़ी थी, कालिदास पुनः नतमस्तक हो गए मां ने कहा, शिक्षा से ज्ञान आता है न कि अहंकार से। तूने शिक्षा के बल पर प्राप्त मान और प्रतिष्ठा को ही अपनी उपलब्धि मान लिया और अहंकार कर बैठे इसलिए मुझे तुम्हारे चक्षु खोलने के लिए ये स्वांग करना पड़ा। कालिदास को अपनी गलती समझ में आ गई और भरपेट पानी पीकर वे आगे चल पड़े।

कहानी से सीखः विद्वता पर कभी घमंड न करें। घमंड विद्वता को नष्ट कर देता है।

7 अंतर खोजें

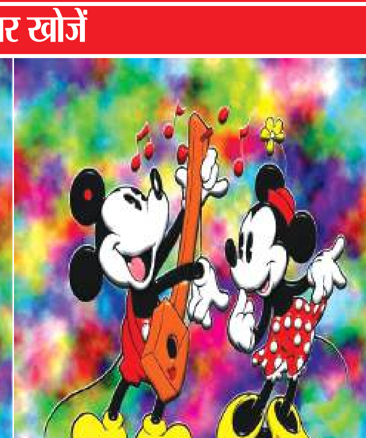

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

तुला

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। शत्रु परस्त होंगे।

वृषभ

बड़ों की सलाह मानें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

मिथुन

व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु परस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी।

मकर

आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा।

सिंह

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या

लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा।

मीन

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें। चोट व रोग से परेशानी संभव है। व्यापार वृद्धि होगी।

सन ऑफ सरदार-2 में अजय देवगन की पत्नी का रोल निभाएंगी नीरू बाजवा

अजय देवगन सन ऑफ सरदार 2 के साथ दर्शकों को कॉमेडी की डोज देने आ रहे हैं। अपकमिंग एक्शन कॉमेडी सन ऑफ सरदार (2012) की सीक्वल है और यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सन ऑफ सरदार 2 इसलिए भी खास है क्योंकि ये दिवंगत एक्टर मुकुल देव की आखिरी फिल्म है। मुकुल देव का 23 मई, 2025 को निधन हो गया था। लवे प्रीक्वल का भी हिस्सा थे। फिल्म के अन्य कलाकारों में विंदू दारा सिंह, रवि किशन और शरत सक्सेना शामिल हैं। सन ऑफ़ सरदार-2 में मृणाल ठाकुर भी मेन लीड रोल में हैं। लेकिन फिल्म में अजय देवगन की पत्नी का रोल एक पंजाबी एक्ट्रेस प्ले करेंगी। चलिए जानते हैं ये अभिनेत्री कौन हैं?

रिपोर्ट्स के अनुसार, सन ऑफ सरदार 2 में मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं लेकिन डीएनए की रिपोर्ट के मुताबिक प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया है कि मृणाल फिल्म की एकमात्र प्रमुख अभिनेत्री नहीं हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, पंजाबी स्टार अभिनेत्री नीरू बाजवा (सरदारजी, जट्ट एंड जूलियट) फिल्म में अहम रोल प्ले करेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि नीरू अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाएंगी।

नीरू पंजाबी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक हैं। उन्होंने टॉप प्रोडक्शन हाउस और सबसे बड़े सितारों के साथ काम किया है और कई सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर दी हैं, जिनमें जट्ट एंड जूलियट फैंचाइज़ी और सरदारजी फैंचाइज़ी शामिल है। नीरू ने बॉलीवुड में भी अपनी किस्मत आजमाई और प्रिंस-इट्स शोटाइम में विवेक ओबेरॉय के साथ अपनी शुरुआत की थी। हालांकि, प्रिंस के साथ उनका करियर आगे नहीं बढ़ पाया था।

एक्शन कॉमेडी सन ऑफ सरदार 2 अजय देवगन की हिट फिल्म रेड 2 के बाद 2025 की उनकी दूसरी रिलीज़ है। सन ऑफ सरदार पार्ट वन 12 नवंबर 2012 को दिवाली वीकेंड पर रिलीज़ हुई थी।सन ऑफ सरदार की टक्कर शाहरुख खान की जब तक है जान से हुई थी। वहीं सन ऑफ सरदार 2 सिनेमाघरों में 25 जुलाई को दस्तक देगी।

बॉलीवुड मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

धूम्रपान छोड़कर मैं ज्यादा जीवंत महसूस कर रहा हूं : हंसल मेहता

जाने माने फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने इंस्टाग्राम पर एक बेहतरीन पोस्ट की है। इस पोस्ट की कई लोगों ने तारीफ की है। पोस्ट में हंसल मेहता ने कई साल की लत के बाद धूम्रपान छोड़ने के अपने सफर के बारे में बताया है। पोस्ट में हंसल मेहता ने क्या लिखा है और लोग इसकी क्यों तारीफ कर रहे हैं, आइए जानते हैं। हंसल मेहता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा है कि उन्हें धूम्रपान छोड़े हुए तीन साल से ज्यादा हो गए हैं। इस दौरान उन्होंने एक भी कश नहीं लिया है। फिल्म निर्माता ने बताया कि उन्होंने 29 साल की उम्र में धूम्रपान करना शुरू किया था और जल्द ही वह इसके आदी बन गए थे। हंसल मेहता ने पोस्ट के जरिए बताया 2017 में वह हार्ट स्टेंट प्रक्रिया से गुजरे, इसके बावजूद उन्होंने धूम्रपान नहीं छोड़ा। हालांकि, उन्होंने बताया कि ज्यादा शराब पीने और धूम्रपान करने के बाद एक रात सब कुछ बदल गया। इसी रात उन्होंने फैसला किया कि वह एक दिन सिगरेट के बिना रहने की कोशिश करेंगे। यह उनके धूम्रपान छोड़ने के सफर में एक जिंदगी बदलने वाला मोड़ बन गया। हंसल मेहता ने आगे लिखा कि धूम्रपान छोड़ना उनके जीवन का सबसे अहम फैसला रहा। इसे छोड़ने के बाद अब वह ज्यादा जीवंत महसूस करते हैं। मेहता ने लिखा तीन साल बाद, मैं यह पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि धूम्रपान छोड़ना मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला रहा। जिंदगी जीने का मजा ही कुछ अलग हो गया है। सांसे भरी हुई लगती हैं। मैं ज्यादा जीवंत महसूस करता हूं। कभी-कभी, सबसे छोटा नहीं आपकी सबसे बड़ी हां बन सकता है। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने हंसल मेहता की तारीफ की है। हंसल मेहता की पोस्ट पर एक यूजर ने लिखा है यह बहुत प्रेरणादायक है। एक दूसरे यूजर ने लिखा काश यह आत्मनिरीक्षण दूर-दूर तक पहुंच जाए। एक और यूजर ने लिखा वाह आप महान हैं सर, आप और तरक्की करें। हंसल मेहता को शाहिद (2013), सिटीलाइट्स (2014), अलीगढ़ (2015) और ओमेर्टा (2017) जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है।

योग दिवस पर रकुल प्रीत को मिला फिट इंडिया कपल का पुरस्कार

शनिवार को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस मौके पर केंद्र सरकार की तरफ से भी फिट इंडिया मूवमेंट के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और उनके पति जैकी भगनानी को फिट इंडिया कपल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस खिताब को पाने के बाद कपल्स ने प्रतिक्रिया दी है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सरकार की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और उनके पति जैकी भगनानी को फिट इंडिया कपल अवॉर्ड मिला, जिसे पाकर एक्ट्रेस गर्व महसूस कर रही हैं।

एएनआई से बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'हमें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर फिट इंडिया कपल का पुरस्कार मिला, ये बहुत गर्व की बात है। हमें उम्मीद है कि हम लोगों को फिटनेस के बारे में प्रेरित कर सकेंगे, जिससे वो इसे अपने जीवन का हिस्सा बना सकें।'

इस सम्मान को पाने के बाद अभिनेत्री के पति जैकी भगनानी ने भी एएनआई से बातचीत में कहा, 'केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया संडे ऑन साइकिल जैसी कई पहल कर रहे हैं। यह अद्भुत लगता है और मुझे यहां सभी के साथ होने पर गर्व है।' इसके साथ ही जैकी भगनानी ने बताया कि उन्होंने भी अपना वजन 75 किलो कम किया है, एक समय वो 150 किलो के थे।'

रकुल प्रीत सिंह एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्हें आखिरी बार मेरे हसबैंड की बीवी में देखा गया था, जिसमें अर्जुन कपूर भी मुख्य भूमिका में थे। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन करने में नाकामयाब साबित हुई थी। इसके अलावा अभिनेत्री की आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें 'इंडियन 3' और 'दे दे प्यार दे 2' में देखा जाएगा।

इस रेस्टोरेंट में है एक कप चाय की कीमत एक लाख रुपये

हमारे देश में सबसे ज्यादा लोग चाय कॉफी के शौकीन हैं। कई लोग तो दिनभर में कई कप चाय पी जाते हैं। चाय कॉफी ऐसे ड्रिंक्स होते हैं, जिससे व्यक्ति काफी रिफ्रेशिंग महसूस करता है। वहीं ये सस्ते भी होते हैं, तो हर कोई अफोर्ड कर सकता है। कई जगहों पर महंगी चाय भी मिलती है। सड़क किनारे चाय की थड़ी या दुकान पर आपको एक कप चाय 10 से 20 रुपए तक की मिल जाती है। अगर आप किसी बड़े रेस्टोरेंट या होटल में जाएंगे तो एक कप चाय की कीमत 50 से 100 रुपए तक की भी हो सकती है। लेकिन आज हम आपको जिस चाय के बारे में बताने जा रहे हैं, उसे पीना हर किसी की बात नहीं। इसकी वजह है इस चाय की कीमत।

हम आपको ऐसी चाय के बारे में बताएंगे, जो एक लाख रुपये खर्च करने के बाद मिलती है। सुनकर हैरान मत होइए, यह सच है कि इसकी एक कप चाय की कीमत वाकई एक लाख रुपए है। आप सोच रहे हैं होंगे कि ऐसा इसमें क्या है जो एक लाख रुपये की एक कप चाय मिल रही है। जानते हैं इस चाय में क्या विशेषता है। आप यही सोच रहे हैं कि यह चाय सोने की है और इसे पिलाया चांदी के बर्तन में जा रहा है। दरअसल, दुबई के एक कैफे में ये चाय सर्व की जा रही है। इस चाय का नाम 'गोल्ड कड़क' है। बोहो कैफे में ये चाय भारतीय मूल की सुचेता शर्मा के दिमाग की उपज है। इस स्पेशल चाय में सोने की एक शीट डाली जाती है। वहीं इस चाय को चांदी के बर्तन में सर्व किया जाता है।

खास बात यह है कि इसके साथ जो क्रोसों आपको मिलता है, उसमें भी गोल्ड डस्टिंग होती है। साथ ही आप चाय पीने के बाद चांदी के बर्तनों को अपने साथ ले जा सकते हैं। सोशल मीडिया पर इस चाय के चर्चे हैं। लोग इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूज़र का कहना है कि ये तो सिर्फ पैसे की बर्बादी है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि ये चाय पीने के लिए तो ईएमआई लेनी पड़ेगी।

अजब-गजब | जापान की यह कंपनी दे रही है हैंडसम वीपिंग बॉयज की सुविधा

आंसू पोंछने के लिए रेंट पर सेवाएं दे रही है ये कंपनी

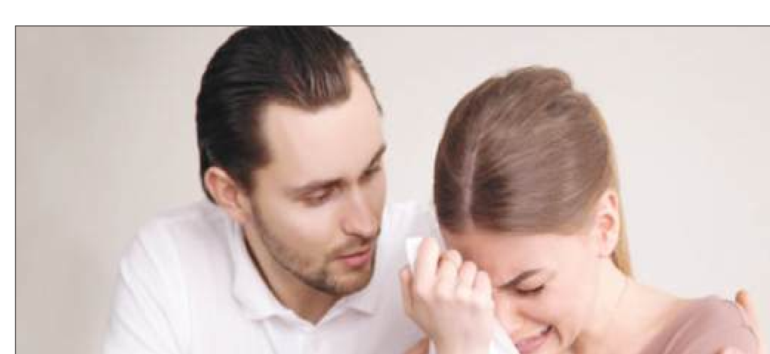

जापान अपनी अनूठी संस्कृति, तकनीकी प्रगति और असाधारण सेवाओं के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यहां हर समस्या का हल ढूंढने की कला विकसित हो चुकी है। इन्हीं सेवाओं में से एक है आंसू पोंछने के लिए किराए पर उपलब्ध लोग। कई बार लोग किसी कारणवश बहुत भावुक हो जाते हैं और रोने लगते हैं। ऐसे में उन्हें ऐसे किसी कंधे की जरूरत होती है जो उनकी भावनाओं को समझे और उनके आंसू पोंछे। जापान के टोक्यो में कंपनी ने एक ऐसी सुविधा देने की कोशिश की जिससे कर्मचारियों का तनाव कम हो सके। इस सुविधा का नाम हैंडसम वीपिंग बॉयज रखा गया।

दरअसल, हिरोकी तराई नाम के शख्स ने 'इकेमेसो दान्शी' इस अनोखी पहल की कल्पना की। इसके बाद उन्होंने इसे बतौर व्यवसाय शुरू किया। इसका उद्देश्य है कि लोगों के भावनात्मक अभिव्यक्ति को न केवल सहन किया जाए बल्कि गले लगाया जाए और सम्मानित किया जाए। उसकी कद्र की जाए। बता दें कि 7,900 येन या लगभग 4,400 रुपये के शुल्क पर, जापान में व्यक्ति अब 'इकेमेसो दान्शी' के एक हैण्डसैम लड़के की सेवाएं ले सकते हैं, जो हैंडसम वीपिंग बॉयज कहलाने वाली सेवाएं प्रदान करते हैं।

बता दें कि रोना मानव स्वभाव का हिस्सा है और यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि रोने से तनाव और भावनात्मक दबाव को कम करने में मदद मिलती है। हालांकि, कई समाजों में इसे कमजोरी का प्रतीक समझा जाता है, जिससे लोग अपनी भावनाएं व्यक्त करने से कतराते हैं।

जापान जैसे देशों में, जहां लोग अपने व्यस्त जीवन में भावनाओं को दबाकर रखते हैं, रोने के लिए एक सुरक्षित और सहानुभूतिपूर्ण माहौल की आवश्यकता महसूस होती है। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए किराए पर रोने वाले साथी जैसी सेवाओं का जन्म हुआ।

इस सर्विस का उपयोग करने वाले लोग एक पेशेवर व्यक्ति को किराए पर लेते हैं। उनका काम केवल ग्राहक के साथ बैठकर उनकी भावनाओं को समझना और उनके साथ सहानुभूति प्रकट करना होता है। लोग उनके साथ अपनी समस्याएं शेयर कर सकते हैं और यदि वे रोना चाहते हैं, उनके आंसू भी पोंछे जाते हैं। बीबीसी से बात करते हुए कंपनी के मालिक हिरोकी तराई ने कहा था कि वह चाहते हैं कि जापानी लोग ना सिर्फ घर पर बल्कि ऑफिस में भी रोएं। ऑफिस में रोने पर कोई भी सहकर्मी आपके पास आने से हिचकता है, यह नकारात्मक भी होता है। हालांकि हैंडसम वीपिंग बॉयज़ के लड़के ऑफिस में भी सर्विस देने के लिए मौजूद हो सकते हैं।

पंजाब में मचा नया सियासी बवाल

» कैबिनेट ने मुख्य सचिव को सौंपी सभी हाउसिंग डेवलपमेंट की कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के सभी हाउसिंग डेवलपमेंट की कमान मुख्य सचिव को सौंपने को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ गया है। शिरोमणि अकाली दल, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी ने इसे लेकर आप सरकार पर सियासी हमला बोला है। विपक्ष ने कहा है कि पहली बार किसी सीएम से शक्तियां लेकर ब्यूरोक्रेसी को दी गई हैं, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। शिअद प्रधान सुखबीर बादल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर कहा कि पंजाब की जमीन और विकास का कंट्रोल उस अधिकारी के जरिये आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को सौंप दिया गया है, जो उनका करीबी है। सीएम ने पूरी तरह से सरेंडर कर दिया है। सुखबीर ने आरोप लगाया कि यह पंजाब के साथ धोखा है। प्रदेश को पूरी तरह

यह पंजाब के आत्मसम्मान पर हमला : बाजवा

से अब गैर पंजाबी कंट्रोल कर रहे हैं।

सरकार पंजाब की जमीन अधिग्रहण करने की तैयारी कर रही है, जिसमें लुधियाना की 24 हजार एकड़ भी शामिल है, जिसका हमारी पार्टी कड़ा विरोध करेगी। विपक्ष के नेता प्रताप बाजवा ने कहा कि मुख्य सचिव की शक्तियों में विस्तार करना पंजाब के आत्मसम्मान पर हमला है। लोगों को आप नेताओं से पूछना चाहिए कि आज पंजाब पर वास्तव में कौन शासन करता है। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने कहा कि कुछ दिन पहले सीएम ने एक फाइल पर हस्ताक्षर नहीं किए थे और अब वे सीएम से शक्तियां लेकर मुख्य सचिव को दे रहे हैं। अब दिल्ली की टीम भूमि और आवास से संबंधित हर चीज का फैसला करेगी।

सीएम की शक्तियां मुख्य सचिव को दी जा रही हैं: रवनीत बिट्टू

ध्यान भटकाने में लगा विपक्ष : हरपाल चीमा

पंजाब में आप सरकार के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि इस तरह की बयानबाजी ध्यान भटकाने के लिए की जा रही है, क्योंकि इससे पंजाब में विकास कार्य रफ्तार पकड़ेंगे। देश के सभी बड़े शहरों में आईएएस अधिकारी के पास ही हाउसिंग डेवलपमेंट की कमान है। चीमा ने बिट्टू पर हमला बोलते हुए कहा कि पूरा पंजाब जानता है कि मंत्री पद लेने के लिए वह भाजपा की केंद्रीय लीडरशिप के आगे नतमस्तक हुए थे।

सुखबीर सिर्फ लोगों को कर रहे गुमराह : हरजोत बैंस

कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि सुखबीर अपने फायदे के लिए लोगों को गुमराह करने में लगे हैं। बैंस ने आरोप लगाया कि सुखबीर ने हमेशा अपना मंत्री बचाने के लिए पंजाब के सारे अधिकार बेच दिए और गिरवी रख दिए। साथ ही हमेशा अपने होटल, फार्महाउस, जमीनें और निजी स्वार्थों को ही आगे रखा। आज उनको आप सरकार के अच्छे कार्यों को विरोध करने का कोई हक नहीं है। वह सिर्फ बेतुकी बयानबाजी कर रहे हैं।

भाजपा विधायक व आप के मंत्री पठानकोट में अवैध माइनिंग कर रहे हैं: वड़िंग

पंजाब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने हिमाचल प्रदेश के एक बीजेपी विधायक और पंजाब सरकार पर अवैध माइनिंग का धंधा चलाने का गंभीर आरोप लगाया। वड़िंग ने दावा किया कि कांग्रेस को इस विधायक के कथित तौर पर करोड़ों रुपये बांटने की पूरी जानकारी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर इस विधायक से पठानकोट का एक-एक पैसा वसूला जाएगा। वड़िंग ने केंद्र की बीजेपी सरकार पर पिछले 11 वर्षों में देश और पंजाब को बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भारत-पाक तनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के दबाव में घुटने टेक दिए। उन्होंने बीजेपी और आम आदमी पार्टी (आप) को एक सिक्के के दो पहलू बताते हुए पंजाब सरकार पर नशा खत्म करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। वड़िंग ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान एक घंटे की चर्चा से नशा खत्म करने की बात करते हैं, लेकिन नशेड़ियों के घर ढहाने और गरीब परिवारों को परेशान करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि पठानकोट की पुलिस अपराध रोकने के बजाय मंत्री कुलदीप सिंह कटारूचक्क के लिए काम करती है। वड़िंग पंजाब सरकार पर एक हजार करोड़ रुपये विज्ञापनों पर खर्च करने का आरोप लगाया और कहा कि इस राशि को रोककर पंजाब का विकास किया जा सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार पर महाराष्ट्र में 35 लाख फर्जी वोटर बनाने का भी आरोप लगाया। इसके अलावा, उन्होंने आप सरकार को झाड़ू वाली सरकार बताते हुए दावा किया कि भविष्य में पंजाब के 117 विधानसभा क्षेत्रों में आप के मंत्री लाल चंद सबसे ज्यादा वोटों से हारेंगे।

ईरानी गर्दन कटवा लेंगे पर झुकाएंगे नहीं: फारूक अब्दुल्ला

» नेकां नेता बोले- बहुत बड़ी गलतफहमी में है अमेरिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच जारी तनाव और अमेरिका द्वारा ईरान की तीन परमाणु सुविधाओं पर किए गए हमलों को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अगर अमेरिका और इस्राइल यह सोचते हैं कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम से पीछे हट जाएगा, तो यह उनकी भूल है। ईरान करबला को नहीं भूला है, और वह इसे दूसरी करबला मानता है। वे अपनी गर्दनें कटा लेंगे, लेकिन झुकेंगे नहीं।

उन्होंने अमेरिका और इस्राइल पर ईरान में शासन परिवर्तन की कोशिशों को लेकर भी सवाल खड़े किए। वे वहां सत्ता परिवर्तन चाहते हैं, लेकिन क्या उसके बाद हालात बेहतर होंगे? अमेरिका और इस्राइल का पुराना मकसद रहा है कि वे ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे, लेकिन ईरान अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटेगा।

मुस्लिम देशों की चुप्पी पर भी जताई नाराजगी

फारूक अब्दुल्ला ने इस पूरे घटनाक्रम पर मुस्लिम देशों की चुप्पी पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा मुझे इस बात की निराशा है कि पूरा मुस्लिम जगत खामोश है। आज ईरान इस हाल में है, लेकिन कल यही हाल उनका भी होगा, जब अमेरिका उन्हें तबाह करेगा। अगर वे आज नहीं जागे, तो उन्हें अपनी बारी का इंतजार करना होगा।

अब राजधानी में नहीं दिखेगा कूड़े का पहाड़

» लखनऊ के शिवरी में अब प्रतिदिन होगा 2100 मीट्रिक टन कूड़े का होगा निस्तारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ शिवरी में अब प्रतिदिन होगा 2100 मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण किया जाएगा। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार की उपस्थिति में रविवार को 700 मीट्रिक टन क्षमता के तीसरे कूड़ा निस्तारण प्लांट का उद्घाटन किया। 700 मीट्रिक क्षमता के दो प्लांट पहले से काम कर रहे हैं।

लखनऊ में लगभग 2000 मीट्रिक प्रतिदिन कूड़ा निकलता है। नगर विकास मंत्री ने कहा कि 2022 में शिवरी में लगभग 18.50 लाख मीट्रिक टन कूड़े का पहाड़ लगा था। इस समस्या के समाधान के लिए 106.8 करोड़ से परियोजना तैयार की गई। इसके लिए भूमि ग्रीन एजर्नी का चयन किया गया। संस्था ने अभी तक 12.86 लाख मीट्रिक टन कूड़े का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण किया है। उन्होंने बताया कि भविष्य में बीओओ मॉडल के तहत वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का निर्माण प्रस्तावित है।

नगर विकास मंत्री ने किया तीसरे प्लांट का उद्घाटन

महापौर और नगर आयुक्त भी रहे उपस्थित

महापौर ने उपलब्धि के लिए नागरिकों को सराहा

महापौर ने कहा कि यह उपलब्धि नगर निगम की प्रतिबद्धता, नागरिकों की जागरूकता और तकनीकी सहयोग का परिणाम है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि तीसरी यूनिट शुरू हो जाने से अब लखनऊ नगर निगम पूरे कचरे का शत-प्रतिशत वैज्ञानिक निस्तारण कर सकेगा। इस अवसर पर पार्षद, शिवरी गांव के ग्राम प्रधान राम नरेश राजपूत, अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव, चीफ इंजीनियर महेश वर्मा समेत नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंग्लैंड दौरा : जसप्रीत बुमराह ने रचा कीर्तिमान

» 5 विकेट लेकर की कपिल देव के रिकॉर्ड की बराबरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड की पहली पारी में घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके और इसके साथ ही विदेशी जमीं पर सबसे ज्यादा पांच विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों की फेहरिस्त में कपिल देव के बराबर आ गए। बुमराह के नाम अब 12 बार विदेशी टेस्ट मैचों में पांच विकेट लेने का कारनामा दर्ज हो चुका है और उन्होंने यह मुकाम सिर्फ 34 टेस्ट मैचों में हासिल कर लिया है।

लेकिन कपिल देव को इसके लिए 66 टेस्ट मैच खेलने पड़े थे। यह आंकड़ा न केवल बुमराह की प्रतिभा का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि वे भारतीय क्रिकेट के इतिहास में कितने खास गेंदबाज हैं। बुमराह ने इस मुकाबले में तीन खिलाड़ियों को बोल्ड किया। जिसमें डकेट, टंग और क्रिस वोक्स का नाम शामिल है। इसके अलावा बुमराह ने जो रूट और क्राउली को भी पवेलियन भेजा। बुमराह ने 24.4 ओवर गेंदबाजी की और 83 रन देकर 5 विकेट झटके। इसके चलते इंग्लैंड की पहली पारी 465 के स्कोर पर सिमट गई और भारत के पास 6 रन की बढ़त रही। बता दें भारत ने पहली पारी में 471 रन बनाए थे। वहीं दूसरी पारी में भारत ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट के नुकसान पर 90 रन बना लिये हैं। इस तरह भारत की कुल बढ़त 96 रन की हो गयी है।

धोनी और किरमानी के क्लब में शामिल हुए पंत

ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन पंत ने ओली पोप का का कैच लपकते ही अपने टेस्ट करियर का 150वां कैच पूरा किया है। अब पंत भारत की ओर से टेस्ट क्रिकेट में 150 कैच पूरे करने वाले सिर्फ तीसरे विकेटकीपर बन गए हैं। उनसे पहले यह कारनामा पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी और सैयद किरमानी कर चुके हैं। वहीं पंत अब भारत की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले विकेटकीपर भी बन चुके हैं। पंत ने अपनी इस पारी के दौरान एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस शानदार शतक की बदौलत पंत टेस्ट क्रिकेट में एशिया के सबसे तेज 3000 रन पूरे करने वाले विकेटकीपर बन गए हैं। यह मुकाम पंत ने मात्र 40 टेस्ट मैच खेलकर ही हासिल कर लिया है।

'नीतीश एक बोझ हैं, उन्हें कभी वापस नहीं लेंगे'

राजद नेता तेजस्वी यादव बोले- अगर इंसान एक बार कोई गलती करता है तो माफ किया जा सकता है बार-बार नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने नीतीश कुमार के उस बयान को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें नीतीश कुमार ने दावा किया था कि आज भी राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव उन्हें गठबंधन में वापस ले लेंगे। तेजस्वी यादव ने दिए गए एक इंटरव्यू में कहा कि अगर इंसान एक बार कोई गलती करता है तो माफ किया जा सकता है, लेकिन नीतीश कुमार ने वही गलती दोबारा की है। अब वो चाहे कहीं भी जाएं, वह सिर्फ एक बोझ ही रहेंगे, इसलिए उनका वापस आना बिल्कुल भी उचित नहीं है।

तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार की कार्यशैली और व्यवहार को लेकर भी कई गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा नीतीश कुमार ने मीडिया से बातचीत करना क्यों बंद कर दिया है? अगर मंच पर उपमुख्यमंत्री या उनके अधिकारी मौजूद होते हैं, तो वो उनका हाथ क्यों पकड़ते हैं? जब राष्ट्रगान चल रहा होता है, तो वह अपने अधिकारियों के पास जाकर बातचीत क्यों करने लगते हैं? उम्र की अपनी सीमाएं होती हैं। मैं इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं समझता, लेकिन अब वह थक चुके हैं।

बता दें कि हाल में राजद ने पूर्व मंत्री मंगनी लाल मंडल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। तेजस्वी यादव ने उनके प्रदेश अध्यक्ष की बधाई देते हुए तब लिखा था कि बिहार में किसी भी पार्टी द्वारा प्रथम बार अतिपिछड़ा वर्ग से प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। राजद से अनुसूचित जाति वर्ग, मुस्लिम वर्ग, पिछड़ा वर्ग एवं अगड़ा वर्ग से पूर्व में प्रदेश अध्यक्ष रह चुके है। अब अतिपिछड़ा वर्ग से संबंध रखने वाले वरिष्ठ एवं अनुभवी समाजवादी नेता मंगनीलाल मंडल जी को अध्यक्ष बनाया गया है। सर्वप्रथम किसी अतिपिछड़ा को प्रदेश अध्यक्ष बनाने का गौरव राजद को ही हासिल हुआ है।

वो सिर्फ दिखावे के कार्यक्रम में जाते हैं

उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार दिखावे के कार्यक्रमों में तो जाते हैं, लेकिन पीड़ितों के पास कभी नहीं पहुंचते। तेजस्वी यादव ने कहा कि जब भी हम यह कहते हैं तो मुख्यमंत्री रोड शो करने लगते हैं या अपने आवास से महज दो-तीन किलोमीटर की दूरी पर कोई कार्यक्रम कर लेते हैं। लेकिन वे कभी किसी पीड़ित या घटनास्थल पर क्यों नहीं जाते? वे कभी प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों नहीं करते? जब पाकिस्तान के साथ युद्ध जैसी स्थिति बनी थी, तब भी उन्होंने एक शब्द नहीं बोला। बिहार सरकार अब रिटायर्ड और भ्रष्ट अधिकारियों के भरोसे चल रही है।

लालू यादव ही बने रहेंगे अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

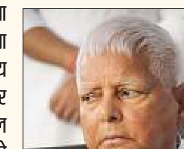

राष्ट्रीय जनता दल ने जब से अपने नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव किया है, तब से राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की चर्चा भी शुरू हो गई है। कयास लगाया जा रहा था कि बढ़ती उम्र और बीमार रहने के कारण लालू प्रसाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की कुर्सी छोड़ देंगे। लेकिन, ऐसा नहीं है। अब इन कयासों पर विराम लग गया है। राजद के वरिष्ठ नेता और प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दकी ने स्पष्ट कर दिया है कि लालू प्रसाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहेंगे। अभी वह पूरी तरह फिट हैं। इसलिए वह सोमवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगे। लालू यादव ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहें, हमलोगों की यही कामना है। सबलोग यही चाहते हैं। कुछ लोग उनकी स्वास्थ्य की बात कह रहे हैं। लेकिन, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। काम अभी भी हो रहा है और आगे भी लालू यादव के दिशा निर्देश से पार्टी को मजबूती मिलते रहेगी। इधर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और लालू प्रसाद के करीबी जगदानंद सिंह को राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी दिए जाने के मामले पर उन्होंने कहा कि इस पर पार्टी फैसला लेगी।

भाजपा हर सहयोगी पार्टी को खत्म कर देती है

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर तेजस्वी यादव ने भाजपा और नीतीश कुमार की नीयत पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा चुनाव के बाद कहेगी कि नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उन्हें अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि अगले पांच साल तक सिर्फ नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे। भाजपा हर उस पार्टी को खत्म कर देती है जिससे वह गठबंधन करती है। देश की किसी भी क्षेत्रीय पार्टी को देख लीजिए, भाजपा ने चिराग पासवान की पार्टी के साथ क्या किया, उसे भी देखिए।

अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि नीतीश कुमार ही सीएम बने रहेंगे

तेजस्वी यादव ने कहा कि यह तय हो चुका है और गठबंधन की रणनीति के अनुसार इसका खुलासा किया जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा कहेगी कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उन्हें अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि पांच साल तक नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे। भाजपा जिस भी पार्टी के साथ गठबंधन करती है, उसे खत्म कर देती है। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि भक्तों को नहीं पता कि इरज एक संस्कृत शब्द है। इसका मतलब है पवनपुत्र, जो हनुमान का नाम है। भाजपा के लोगों को सनातन के बारे में कुछ नहीं पता। उन्हें संविधान या धर्म के बारे में कुछ नहीं पता। अपने दूसरे बच्चे के नाम को लेकर उठे विवाद पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव जवाब दे रहे थे। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के तेजस्वी यादव से पूछो कि वह 10वीं की परीक्षा कब पास करेंगे वाले तंज पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, इससे मुझे कोई दुख नहीं होता। एक डिग्री आपको हर गुण नहीं दे सकती। व्यावहारिक जीवन का अनुभव भी उपयोगी होता है। मैं एक खिलाड़ी था लेकिन अगर डिग्री की बात करें तो हमारे देश के लोगों को पता ही नहीं है कि पीएम नरेंद्र मोदी के पास कौन सी डिग्री है।यादव कहते हैं, अगर चिराग पासवान मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं तो उन्हें खुलकर कहना चाहिए. उन्हें ये सब ड्रामा करने की क्या ज़रूरत है कि बिहार बुला रहा है। क्या बिहार ने उन्हें इतने सालों तक भगाया? कुछ तो तर्क होना चाहिए। वो बिहार से जीते हैं। वो बिहारी हैं। अब वो कह रहे हैं बिहार बुला रहा है, मैं हमेशा कहता हूं कि मुझे सरकार भी नहीं बनानी है, मैं बिहार का विकास करना चाहता हूं.

इंडिगो के अधिकारियों पर एससी-एसटी में केस दर्ज

» ट्रेनी पायलट ने सीनियर अफसरों पर लगाया जातिवाद का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। इंडिगो फ्लाइट के ट्रेनी पायलट ने तीन सीनियर अधिकारियों पर जातिवाद का आरोप लगाया है। ट्रेनी पायलट का कहना है कि इन अधिकारियों ने उससे कहा कि वो प्लेन उड़ाने लायक नहीं है, जाए और जूते सिले। दरअसल, ये पायलट अनसूचित जाति से ताल्लुक रखता है। मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। इंडिगो के अधिकारियों मनीष साहनी, तपस डे और कैप्टन राहुल पाटिल के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

इंडिगो में भी की थी शिकायत लेकिन नहीं हुई कार्रवाई

इसके अलावा पायलट ने ये भी आरोप लगाया कि उन्हें पेशेवर उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। उनकी बिना वजह वेतन कटौती की गई, रिट्रेनिंग सेशन्स के लिए मजबूर किया गया और बिना वजह के वॉर्निंग लेटर्स जारी किए गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मामले को उच्च अधिकारियों और इंडिगो के नैतिकता पैनल के समक्ष उठाया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आखिरकार उन्हें पुलिस शिकायत दर्ज करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मामले में पहले बेंगलुरु में शिकायत की गई, जहां पर पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद इसे गुरुग्राम में ट्रांसफर कर दिया गया, जहां पर इंडिगो का हेडक्वार्टर है। यहां बता दें कि जीरो एफआईआर किसी भी पुलिस थाने में दर्ज की जा सकती है, चाहे अपराध कहीं भी हुआ हो। अपनी शिकायत में ट्रेनी पायलट ने 28 अप्रैल को गुरुग्राम में इंडिगो के हेडक्वार्टर में हुई एक बैठक का हवाला दिया है। ये बैठक लगभग 30 मिनट तक चली और इस दौरान शिकायतकर्ता से कहा गया, तुम विमान उड़ाने लायक नहीं हो, वापस जाओ और चप्पलें सिलवाओ। तुम यहां चौकीदार भी बनने लायक नहीं हो। ट्रेनी पायलट का आरोप है कि उसका उत्पीड़न इसलिए किया गया क्योंकि अधिकारी उनका इस्तीफा चाहते थे।

एसआई पेपर लीक प्रकरण पर भजन सरकार की चुप्पी खतरनाक: बेनीवाल

» बोले नागौर सांसद- अब लड़ाई पूरे प्रदेश की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागौर। जयपुर के शहीद स्मारक पर एसआई भर्ती रद्द प्रकरण को लेकर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने सरकार पर हमला। उन्होंने कहा कि हम यह भर्ती रद्द करवाने के लिए पिछले दो महीने से धरना दे रहे है। अब युवाओं और छात्रों को न्याय दिलाने की यह लड़ाई निर्णायक दौर में पहुंच चुकी है।

बेनीवाल ने प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि डॉ. राकेश विश्नोई की आत्महत्या हो या 2021 की स्ढ भर्ती परीक्षा में हुआ घोटाला, हर मामले में राजस्थान सरकार की भूमिका संवेदनहीन और टालमटोल वाली रही है। दरअसल, एसआई भर्ती-2021 परीक्षा को रद्द करवाने की मांग को लेकर नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल पिछले दो महीने से जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर धरने पर बैठे हुए हैं। बेनीवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं और छात्रों के भविष्य को लेकर किसी भी तरह से संवेदनशील नहीं दिख रही है। वह इन गंभीर मुद्दों को केवल टाल रही है। बेनीवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार के संस्थागत उत्पीड़न के कारण एक होनहार डॉक्टर को जान गंवानी पड़ी, तब भी सरकार पूरी तरह चुप रही। जब सड़कों पर विरोध शुरू हुआ, तब जाकर कहीं न्याय मिला।

आरपीएससी भरोसे के संकट से गुजर रही

बेनीवाल ने कहा कि आरपीएससी जैसी पवित्र सवैधानिक संस्था अब भरोसे के संकट से गुजर रही है। इसके पुनर्गठन के बिना किसी भी भर्ती में पारदर्शिता की उम्मीद नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को समझना होगा कि जब जनभावनाओं की अनदेखी होती है तो उसकी कीमत सत्ता को चुकानी पड़ती है। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है, न युवाओं को समय पर नौकरी मिल रही है, न किसानों को राहत, और न छात्रों को न्याय। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर, स्ढ भर्ती परीक्षा को रद्द करवाने के लिए सरकार ने निर्णायक कदम नहीं उठाया तो यह आंदोलन अब दिल्ली की ओर बढ़ेगा। पूरे देश में इस अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद की जाएगी।

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन के खिलाफ एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र पुलिस ने वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी और उनके ड्राइवर के खिलाफ 65 वर्षीय पार्टी कार्यकर्ता की कथित दुर्घटनावश मौत के लिए एफआईआर दर्ज की।

पार्टी कार्यकर्ता बुधवार को गुंटूर के बाहरी इलाके में जगन की कार के पहियों के नीचे कुचले गए थे। पुलिस ने रविवार को जगन के कार चालक रमना रेड्डी को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की कि वह काफिले को रोके बिना आगे क्यों बढ़ गया और क्यों? चीली सिंगैया को वाहन के नीचे कुचल दिया गया था। सिंगैया नामक एक बुजुर्ग व्यक्ति इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आप-कांग्रेस जीती, टीएमसी की बढ़त, भाजपा को झटका

4 राज्यों में 5 विधानसभा उपचुनाव की काउंटिंग जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चार राज्यों की 5 विधानसभा सीटों के उपचुनाव के नतीजे आज आने हैं। सुबह 8 बजे से काउंटिंग जारी है। पहले एक घंटे बैलट वोट की गिनती हुई। इसके बाद सुबह 9 बजे से ईवीएम की गिनती जारी है।

गुजरात की कडी में भाजपा और विसावदर सीट पर आप ने जीत हासिल की है। उधर पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर आप उम्मीदवार आगे है। इसके अलावा, केरल की नीलांबुर सीट पर कांग्रेस कैंडिडेट ने भी बाजी मार ली है। पश्चिम बंगाल की

कालीगंज सीट पर टीएमएसी आगे चल रही है है। पांचों सीटों पर 19 जून को वोटिंग हुई थी। पंजाब की लुधियाना वेस्ट आम आदमी पार्टी (आप) के पास थी। लुधियाना वेस्ट से आप ने राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को कैंडिडेट बनाया है। अरोड़ा विधायक बनते हैं तो उन्हें राज्यसभा सीट छोड़नी होगी, जिससे यह सीट खाली हो जाएगी। कयास लगाए जा रहे हैं कि आपअरविंद केजरीवाल को पंजाब से राज्यसभा भेज सकती है।

कालीगंज सीट : टीएमसी विधायक अहमद के निधन की वजह से चुनाव हुए

टीएमसी विधायक नसीरुद्दीन अहमद का 2 फरवरी 2025 को हार्ट अटैक से निधन हो गया था। तब से ये सीट खाली है। ञ्जरूष्ट ने नसीरुद्दीन अहमद की बेटी अलीफा अहमद को उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा ने स्थानीय पंचायत सदस्य और पूर्व मंडल अध्यक्ष आशीष घोष को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने काबिल उद्दीन शेख को उम्मीदवार बनाया गया है। सीपीआई (एम) ने काबिल को समर्थन दिया है।

नीलांबुर में कांग्रेस जीती कार्यकर्ताओं का जश्न शुरू

केरल के नीलांबुर में कांग्रेस कार्यकर्ता काउंटिंग सेंटर के बाहर जश्न मना रहे हैं। यहां कई राउंड की मतगणना के बाद कांग्रेस कैंडिडेट आर्यदान शौकत हजारों वोटों से जीत गए हैं।

गुजरात की विसावदर सीट पर आप ने मारी बाजी

कई राउंड की काउंटिंग का बाद विसावदर सीट पर आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया 17 हजारे से ज्यादा वोटों से जीत हासिल कर ली है। शुरुआत में भाजपा के कीर्ति पटेल ने बढ़त बनाई थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।